Hindi Murli Quiz 26-07-2015

Q.1) **Q. "संगमयुग है ही बेगमपुर। सगंमयुगी सर्व ब्राह्मण बेगमपुर के बादशाह हैं। सतयुगी बादशाही इस संगमयुग की बेगमपुर की बादशाही के आगे कुछ भी नहीं है। वर्तमान समय की प्राप्ति का नशा, खुशी, सतयुग की बादशाही से पद्मगुणा श्रेष्ठ है।"**

A. ◉ True

B. ○ False

Q.2) **Q. बापदादा ने मुरली में सतयुग और संगमयुग की सुन्दर तुलना की है । इस मैचिंग एक्सरसाइज के द्वारा स्पष्ट करें –**

	Choice	Match
A	सतयुग की दिनचर्या में प्रकृति के नेचुरल साज तुम्हे जगायेंगे ।	संगमयुग पर स्वयं प्रकृति का मालिक भगवान तुम्हें जगाता है।
B	सतयुग में अति स्वादिष्ट रस वाले, वृक्ष के फल खायेंगे।	यहाँ वृक्षपति द्वारा सर्व सम्बन्धों के रस, सर्व प्राप्ति-सम्पन्न प्रत्यक्ष फल खाते हो।
C	वहाँ दास-दासियों के हाथ में पलेंगे ।	यहाँ बाप के हाथों में पल रहे हो।
D	वहाँ महान आत्माए हमारे माँ-बाप होंगे ।	यहाँ परमात्मा माता-पिता हैं।
E	वहाँ रतन जड़ित झूलों में झूलेंगे । यहाँ बाप की गोदी का अतीन्द्रिय सुख का झूला मिला है ।	यहाँ बाप की गोदी का अतीन्द्रिय सुख का झूला मिला है ।
F	वहाँ रत्नों से, खिलौनों से, आपस में खेलेंगे ।	लेकिन यहाँ बाप से, जिस भी रूप में चाहो उस रूप में खेल सकते हो।

Q.3) **Q. सतयुग और संगमयुग की सुन्दर तुलना इस मैचिंग एक्सरसाइज में कुछ अन्य बातों द्वारा करें –--**

	Choice	Match
A	सतयुग में आराम से गदेलों पर सोकर निन्द्रा-लोक में चले जाते हो,	यहाँ याद के गदेलों पर सोकर बाप के साथ सूक्ष्मवतन में चले जाओ।
B	वहाँ के विमानों में सिर्फ एक लोक का सैर कर सकेंगे,	अब बुद्धि रूपी विमान द्वारा तीनों लोकों का सैर कर सकते हो।
C	संगमयुग में नालेजफुल, पावरफुल, ब्लिसफुल बनेंगे,	सतयुग में रॉयल बुद्धू बन जायेंगे।
D	वहाँ विश्व राज्य-अधिकारी होंगे, राज्य-कर्ता होंगे,	यहाँ विश्व कल्याणकारी, महादानी, वरदानी हो।
E	वहाँ वैराइटी प्रकार का भोजन खायेंगे,	यहाँ ब्रह्मा भोजन खाते जिसकी महिमा देवताओं के भोजन से भी अति श्रेष्ठ है।

Q.4) **Q. "--------- की दो विशेषतायें हैं। एक --------- का पानी और दूसरा --------- की खेती।"**

कृपया निम्नलिखित विकल्पों में से एक सबसे उपयुक्त शब्द से उपरोक्त तीनों रिक्त स्थान भरें –

A. पंजाब
B. कश्मीर
C. हरियाणा
D. बंगाल
E. बिहार

Q.5) **Q. "जब साइन्स की शक्ति से बिना सीजन के अनाज पैदा कर लेते हैं तो क्या साइलेन्स की शक्ति संगमयुग की फुल सीजन होते हुए भी हर मास का फल नहीं दे सकती? जैसे वह लोग साधन द्वारा असम्भव से सम्भव करके दिखाते हैं तो आप साधना द्वारा धरती को परिवर्तित करो। अभी तो ज्ञान गंगाओं का पार्ट है, पाण्डव बैकबोन हैं। इसमें भी पाण्डवों का फायदा है, नहीं तो डन्डे खाने पड़ेंगे। इसलिए शक्तियाँ गाइड और पाण्डव गार्ड ठीक हैं।"**

A. True
B. False

Q.6) **Q. कृपया सभी सही वाक्य चयन करें ----**

A. अपनी कर्मेन्द्रियों द्वारा साक्षी हो कार्य करते हुए स्वराज्य अधिकारी हो ।
B. अपनी कर्मेन्द्रियों के अधीन नहीं होना, क्योंकि जहाँ अधीनता होगी, वहाँ कमजोरी होगी।
C. प्रजा हैं यह कर्मेन्द्रियाँ। प्रजा के राज्य में सदा हलचल रहती है और राजा के राज्य में अचल राज्य चलता।
D. वर्तमान समय संकल्प की हलचल भी बड़ी गिनी जायेगी, क्योंकि लास्ट में है ही मन्सा द्वारा विश्व-परिवर्तन।
E. अभी मन्सा का एक संकल्प भी व्यर्थ हुआ तो बहुत कुछ गँवाया। मन्सा पर भी अटेन्शन हो इसको ही कहा जाता है - चढ़ती कला।

Q.7) **Q. फुल मार्क्स लेने के लिए केवल सही वाक्य ही चयन करें -----**

A. जब यहाँ पवित्रता के ताजधारी बनते हो, तब वहाँ रत्नजड़ित ताज भी मिलेगा।
B. माया दुश्मन के बजाए खिलौने के रूप में आये, इस नये वर्ष में यही परिवर्तन करो।
C. सेवा ब्राह्मण जीवन का विशेष आधार नही है।
D. सतयुग में भी एटॉमिक एनर्जा का कार्य चलना है। तो जर्मनी में सम्पर्क में आई हुई आत्मायें ऐसे कार्य के निमित्त वहाँ बनेंगी।
E. स्वदर्शन चक्रधारी कभी चढ़ती कला और कभी उतरती कला का चक्र चलाते रहते हैं ।

Explanation: 1.सेवा ही ब्राह्मण जीवन का विशेष आधार है। 2.स्वदर्शन चक्रधारी कभी भी चढ़ती कला और उतरती कला का चक्र नही चला सकते

Q.8) **Q. निम्नलिखित रिक्त स्थान बहुत ध्यान से भरें ----**
"----------के संस्कार रूपी बीज को याद के लगन की अग्नि में जला दो तो वृक्ष पैदा नहीं होगा अर्थात् मन-वाणी और कर्म में कमजोरी आयेगी ही नहीं। ---------- को जला दिया तो विघ्न-विनाशक बन जायेंगे। स्व के साथ-साथ विश्व के भी विघ्न-विनाशक।"

- कमजोरियों
- कम्जोरियो
- क्म्जोरियों
- कमजोरीयों
- KAMJORIYON
- KAMJORIYO

Q.9) **Q. वरदान को ध्यान में रखकर यह बताएं कि निम्नलिखित वाक्य-समूह सही है अथवा गलत –**
"जैसे वह नशा सब कुछ भुला देता है, ऐसे यह ईश्वरीय नशा दु:खों की दुनिया को सहज ही भुला देता है। उस नशे में तो बहुत नुकसान होता है, अधिक पीने से खत्म हो जाते हैं लेकिन यह नशा अविनाशी बना देता है। जो सदा ईश्वरीय नशे में मस्त रहते हैं वह सर्व प्राप्ति सम्पन्न बन जाते हैं। एक बाप दूसरा न कोई--यह स्मृति ही नशा चढ़ाती है। इसी स्मृति से समर्थी आ जाती है।"

A. सही
B. गलत

Q.10) **Q. कृपया निम्नलिखित रिक्त स्थान भरें --**
“एक दो को कॉपी करने के बजाए ------- को कॉपी करो।“

- बाप
- बाप्
- बआप
- BAP
- BAAP
- बप